दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 03 जून 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 245

महत्वपूर्ण एवं खास

22 ताजा बमों को किया गया निष्क्रिय

माल्दा (आरएनएस)। जिले के चांचल -2 नंबर प्रखंड के चंद्रपाड़ा ग्राम पंचायत के जानीपुर इलाके से बरामद हुए 22 ताजा बमों को आज बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया है. दरअसल, गुरुवार की रात करीब आठ बजे जानीपुर इलाका अचानक तेज आवाज से दहल उठा था. चारों ओर काला धुंआ छा गया था. घटना की सूचना पर रात में चांचल थाने से भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच कर इलाके में घेराबंदी कर दी. वहीं, आज सुबह माल्दा से आए बम निरोधक दस्ते ने मौके से 22 ताजा बम बरामद किए. इसके बाद बमों को निष्क्रिय करने का काम शुरू हुआ. इस दौरान मौके पर चांचल थाना प्रभारी, चंचल महकमा एसडीपीओ और सीआईडी के अधिकारी मौजूद रहे. दूसरी तरफ, इस घटना में पुलिस ने अब तक एक व्यक्ति को गिरफ्तार में लिया है. घटना की जांच शुरू कर दी गई है. घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है.

ओडिशा के मल्कानगिरी में तूफान से 2 लोग लापता, पांच घायल

मल्कानगिरी (आरएनएस)। ओडिशा के मल्कानगिरी जिले में बृहस्पतिवार शाम को बारिश तथा गरज के साथ तेज हवाओं ने कहर बरपाया जिससे कम से कम दो लोग लापता हो गए और पांच अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि करीब 15 मिनट तक तेज हवाओं ने जिले में काफी नुकसान पहुंचाया. पुलिस ने बताया कि सतीगुड़ा बांध जलाशय में एक नौका के डूबने से एक मछुआरा और एक महिला लापता हो गयी. उनकी पहचान जिले में भीमा रंगिनी गांव के गोविंद सरदार और तुलसी माधी के रूप में हुई है. पुलिस ने बताया कि एक हवाई पट्टी की निर्माणाधीन दीवार का एक हिस्सा गिरने से पांच मजदूर घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है. जिलाधीश विशाल सिंह ने कहा कि दमकल और ओडिशा आपदा मोचन कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) के कर्मियों को प्रभावित इलाकों में बचाव एवं राहत अभियान तेज करने के लिए कहा गया है.

भावभीने स्वागत और मुख्यमंत्री के आत्मीय व्यवहार से भाव विभोर हुए नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड

इंदौर (आरएनएस)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' आज इंदौर पहुँचे विमान तल पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनका भावभीना स्वागत किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आत्मीय व्यवहार से अभिभूत नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड ने कहा कि ऐसा लग ही नहीं रहा है कि वे उनसे पहली बार मिले हैं। आज इंदौर पहुँचने पर नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का भी भावभीना स्वागत किया गया मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर कहा कि, भारत और नेपाल अत्यंत प्राचीन राष्ट्र हैं। भारत और नेपाल भले ही दो शरीर हों पर सांस्कृतिक रूप से वे एक हैं। दोनों का सांस्कृतिक वैभव और संस्कार एक जैसे हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध आने वाले दिनों में और भी प्रगाढ़ होंगे।

आईएनएस त्रिशूल तीन दिवसीय अंजुअन बंदरगाह, कोमोरोस का दौरा किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय नौसेना की लंबी दूरी की तैनाती के हिस्से के रूप में, आईएनएस त्रिशूल तीन दिवसीय अंजुअन बंदरगाह, कोमोरोस का दौरा किया। जहाज ने 31 मई 23 को अंजुन द्वीप पर लंगर डाला और नागरिक-सैन्य नेतृत्व द्वारा प्राप्त किया गया। दौरे के हिस्से के रूप में, कमांडिंग ऑफिसर, कैप्टन कपिल कौशिक ने अंजुअन में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। कोमोरोस सशस्त्र बलों और कोमोरोस कोस्ट गार्ड के साथ व्यावसायिक बातचीत, बंदरगाह में रहने के दौरान जहाज द्वारा कोमोरोस रक्षा बलों के साथ खेल जुडऩार और एक संयुक्त योग सत्र आयोजित किया गया। कोमोरियन तट रक्षक कर्मियों के लिए ओबीएम के रखरखाव पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। जहाज ने पोर्ट कंट्रोल पर स्थापित संचार उपकरण और नेविगेशन रडार डिस्प्ले की मरम्मत में कोमोरियन कोस्ट गार्ड की सहायता की। जहाज ने अंजुआन के स्थानीय लोगों के लिए एक चिकित्सा आउटरीच शिविर आयोजित किया। शिविर से लगभग 500 लोग लाभान्वित हुए, जिसमें रोगियों को सामान्य स्वास्थ्य जांच के अलावा नेत्र, हृदय और ईएनटी परामर्श प्रदान किया गया।

ओडिशा के बालासोर में ट्रेन हादसा... कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतरी, 50 यात्रियों की मौत, 200 से ज्यादा यात्री जखमी, रेस्क्यु जारी

बालासोर । बालासोर जिले में बहानागा रेलवे स्टेशन के पास कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतरने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस हादसे में 50 से अधिक लोगों की मौत की खबर है तो वहीं 200 से ज्यादा यात्री जख्मी हो गए हैं. ओडिशा के चीफ सेक्रेटरी ने बताया कि 132 घायल यात्रियों को सोरो और गोपालपुर सीएचसी में शिफ्ट किया गया है. गंभीर रूप से घायल यात्रियों को अच्छी देखभाल के लिए रेफर किया जाएगा. उन्होंने आगे कहा कि घायलों की संख्या ज्यादा होने के कारण एंबुलेंस के साथ बसों को भी बुलाया गया है.

बचाव अभियान के लिए टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं. एसडीआरएफ की टीमें भी मौके पर मौजूद है. अधिकारियों के मुताबिक, कोरोमंडल एक्सप्रेस के चार डिब्बे पटरी से उतरे हैं. उन्होंने कहा कि हादसा शाम करीब 7.20 बजे बहानागा बाजार स्टेशन के पास हुआ.

विशेष राहत आयुक्त कार्यालय ने कहा कि बालासोर के कलेक्टर को भी सभी आवश्यक व्यवस्था करने के लिए मौके पर पहुंचने और राज्य स्तर से किसी भी अतिरिक्त मदद की आवश्यकता होने पर एसआरसी को सूचित करने का निर्देश दिया गया है.

सीएम ममता बनर्जी क्या बोलीं

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हादसे को लेकर हैरानी हुई. उन्होंने बताया कि हम अपने लोगों की भलाई के लिए ओडिशा सरकार और दक्षिण पूर्व रेलवे के साथ समन्वय कर रहे हैं. हमारे आपातकालीन नियंत्रण कक्ष को तुरंत एक्टिव कर दिया है. इसका नंबर 033- 22143526/22535185 है. बचाव के लिए सभी प्रयास शुरू कर दिए गए हैं.

बनर्जी ने कहा कि हम ओडिशा सरकार और रेलवे अधिकारियों के साथ सहयोग करने और बचाव कार्यों में मदद के लिए 5-6 सदस्यों की एक टीम मौके पर भेज रहे हैं. मैं मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत रूप से लगातार स्थिति की निगरानी कर रही हूं.

रेलवे ने जारी किया इमरजेंसी नंबर

भारतीय रेलवे ने फंसे यात्रियों के परिजनों को के लिए और मदद के लिए नंबर जारी किया है. किसी भी यात्रा को अपने परिवार के सदस्य को लेकर जानकारी चाहिए है तो वह +91 6782 262 286, 8972073925, 9 3 3 2 3 9 2 3 3 9 , 8 2 4 9 5 9 1 5 5 9 , 7978418322 और 9903370746 पर संपर्क कर सकते हैं.

बता दें कि 12841 शालीमार-मद्रास कोरोमंडल एक्सप्रेस शालीमार से दोपहर 3.20 बजे रवाना होती है और कुल 1656 किलोमीटर की दूरी तय करती है. अगले दिन शाम 4.50 बजे एमजी रामचंद्रन सेंट्रल रेलवे स्टेशन (चेन्नई) पंहुचती है. ट्रेन बालासोर के पास हादसे की शिकार हुई. यह ट्रेन शाम 6.32 बजे बालासोर पहुंचती है.

दिन दहाड़े घर में घुसकर बीजेपी नेता की हत्या

❑ **घटना को लेकर भाजपा व तृणमूल के बीच जुबानी जंग शुरू**

कूचबिहार (आरएनएस)। जिले में तब सनसनी फैल गई जब दिनहाटा में एक बीजेपी नेता की हत्या की कर दी गई। पुलिस व स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार घटना दिनहाटा के शिमुलतला में घटी। जहां बीजेपी नेता प्रशांत राय बसुनिया की दिन दहाड़े उनके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस घटना को लेकर तनाव व्याप्त हो गया। आरोप है कि, बसुनिया अपनी मां के साथ अपने घर पर थे। तभी कुछ बदमाशों ने अंदर घुसकर उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। कहासुनी के बाद अचानक एक बदमाश ने पिस्टल निकाली और बसुनिया को बेहद करीब से गोली मार दी। खून से लथपथ बसुनिया को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई।

बीजेपी इस हत्या के पीछे तृणमूल कांग्रेस समर्थित अपराधियों को दोषी करार दे रही है। विपक्ष के नेता, शुभेंदु अधिकारी ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए हत्या के पीछे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस द्वारा समर्थित गुंडों की संलिप्तता का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, तृणमूल नेतृत्व डरा हुआ है क्योंकि कई जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ता सत्तारूढ़ दल को छोडक़र भाजपा में शामिल हो रहे हैं। हम मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हैं। उत्तर बंगाल के विकास मंत्री और विधायक उदयन गुहा ने दावा किया है कि इस घटना से राजनीति का कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि मृतक विभिन्न असामाजिक गतिविधियों में शामिल था। परिजनों के मुताबिक आज सुबह प्रशांत घर में चारपाई पर बैठा था। मकान का गेट खुला हुआ था। इसी दौरान कुछ युवक घर में घुसे और कथित तौर पर उन पर गोली चला दी।

श्रीलंका में भारतीय आई ड्रॉप से 35 लोगों की आंखें संक्रमित

❑ **दवा पर लगाई गई रोक**

नई दिल्ली (आरएनएस)। श्रीलंका के अस्पतालों में 35 मरीजों में आंखों का संक्रमण बढऩे पर भारत निर्मित दवा की जांच शुरू हुई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गुजरात की फार्मा कंपनी की दवा की जांच की जा रही है।

शिकायत मिली है कि मिथाइल प्रेडनिसोलोन आई ड्रॉप का उपयोग करने के बाद मरीजों में बैक्टीरिया संक्रमण बढ़ा है। इसी साल मार्च में कंपनी ने आईड्रॉप के दो बड़े बैच श्रीलंका निर्यात किए, लेकिन अप्रैल में वहां के तीन बड़े अस्पतालों में करीब 30 लोगों ने दवा लेने के बाद आंखों में संक्रमण की शिकायत की।

इसके बाद श्रीलंका की सरकार ने न सिर्फ दवा पर तत्काल रोक लगाई, बल्कि उसके खिलाफ जांच भी शुरू कर दी। इस बीच कंपनी ने भी अपनी दवाओं को वापस ले लिया। श्रीलंका सरकार ने 16 मई को पत्र लिखकर भारत से भी निष्पक्ष जांच की अपील की। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ। मनसुख मांडविया ने चेतावनी देते हुए कहा कि फार्मा उद्योग देश की साख से जुड़ा है। अगर गुणवत्ता से समझौता किया जाता है तो यह देश के लिए अच्छा नहीं रहेगा और इसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रीलंका से पत्र मिलने के बाद तत्काल दवा की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। कंपनी के मौजूदा बैच को सील कर दिया गया है। नमूने केंद्रीय प्रयोगशाला भेजे हैं, जहां से 10 से 15 दिन में रिपोर्ट मिलने की संभावना है।

यह नौ माह में चौथा ऐसा मामला है, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। पहले गांबिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत के पीछे भारतीय कंपनियों के कफ सीरप को जिम्मेदार ठहराया गया था। जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फार्मा क्षेत्र की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हुए थे। इसी तरह का एक मामला मार्शल आइलैंड्स और माइक्रोनेशिया में भी सामने आया, जिसके बाद बीते अप्रैल माह में डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट जारी किया।

रद्द नहीं हो सकता देशद्रोह कानून, लॉ कमीशन ने सरकार को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशद्रोह कानून पर लॉ कमीशन (विधि आयोग) ने अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी है। उसका कहना है कि देशद्रोह से निपटने के लिए आईपीसी की धारा 124ए को बनाए रखने की आवश्यकता है। रिपोर्ट में कहा कि इसे निरस्त करने से देश की अखंड़ता और सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है।

कानून मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट में आयोग ने कहा कि राजद्रोह कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए केंद्र कुछ दिशा-निर्देश तैयार कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा आईपीसी की धारा 124र के दुरुपयोग को रोकने के लिए कुछ सुरक्षा उपायों के साथ बरकरार रखा जाना चाहिए। प्रावधान के उपयोग को लेकर ज्यादा स्पष्टता के लिए कुछ संशोधन किए जा सकते हैं। रिपोर्ट में कहा कि धारा 124र के दुरुपयोग पर विचारों का संज्ञान लेते हुए इसको रोकने के लिए केंद्र सरकार दिशानिर्देश जारी करे। जिससे

इसमें और पारदर्शिता आए।

22वें लॉ कमीशन के अध्यक्ष जस्टिस रितु राज अवस्थी (सेवानिवृत्त) ने कुछ सुझाव भी दिए हैं। रिपोर्ट में दिए गए सुझाव में कहा कि आईपीसी की धारा 124र जैसे प्रावधान की अनुपस्थिति में, सरकार के खिलाफ हिंसा भडक़ाने वाली किसी भी अभिव्यक्ति पर निश्चित रूप से विशेष कानूनों और आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा, जिसमें अभियुक्तों से निपटने के लिए कहीं अधिक कड़े प्रावधान हैं। रिपोर्ट में कहा कि यह (कानून खत्म करना) ठीक नहीं है, क्योंकि ऐसा करना भारत में मौजूद जमीनी हकीकत से आंखें मूंद लेने की तरह होगा।

रिपोर्ट में कहा कि आईपीसी की धारा 124र को केवल इस आधार पर निरस्त नहीं किया जा सकता क्योंकि कुछ देशों ने ऐसा किया है। रिपोर्ट में कहा कि यह ठीक नहीं है क्योंकि ऐसा करना भारत में मौजूद जमीनी हकीकत से आंखें मूंद लेने की तरह होगा। रिपोर्ट में कहा कि इसे निरस्त करने से देश की अखंड़ता और सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा कि अक्सर यह कहा जाता है कि राजद्रोह का अपराध एक औपनिवेशिक विरासत है। जो उस युग (अंग्रेजों के जमाने) पर आधारित है। इसमें इसे अधिनियमित किया गया था। विशेष रूप से भारत के स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ इसके उपयोग के इतिहास को देखते हुए ये बात कही जाती है। लेकिन ऐसे में तो भारतीय कानूनी प्रणाली का संपूर्ण ढांचा एक औपनिवेशिक विरासत है। फिर तो सबको बदलने की जरुरत है।

अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइल का हुआ सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण

नई दिल्ली (आरएसएस)। अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सामरिक बल कमान द्वारा किया गया। यह मध्यम दूरी का मिसाइल है जिसका नाम अग्नि-1 है। इस मिसाइल की विशेषता है कि यह लक्ष्य को भेदने में कारगर है और उच्च परिशुद्धता वाली प्रणाली का उपयोग करती है। उपयोगकर्ता प्रशिक्षण लॉन्च में मिसाइल के सभी नियंत्रण और तकनीकी मापदंड सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। यह सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण भारतीय रक्षा शोध और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया गया है। भारत ने अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण करके दुश्मनों के खेमे में खलबली मचा दी है। यह मिसाइल इतनी खतरनाक है कि आसमान में काफी ऊंचाई से दुश्मनों के घर आग बरसा सकती है। इस मिसाइल के प्रक्षेपण से चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मनों को जरूरत पडऩे पर सबक सिखाया जा सकेगा। इसके प्रयोग से दुश्मन बच नहीं सकेंगे। इसके सफल प्रक्षेपण से रणनीतिक हथियार के सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सत्यापित किया गया।रक्षा मंत्रालय के अनुसार सामरिक बल कमान (एसएफसी) ने ओडिशा में ए.पी.जे.अब्दुल कलाम द्वीप से मिसाइल का प्रक्षेपण किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ए.पी.जे.अब्दुल कलाम द्वीप, ओडिशा से सामरिक बल कमान द्वारा एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-1 का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रक्षेपण किया गया।

भारत 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

❑ **2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प : राजनाथ सिंह**

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत एक उभरती हुई नहीं बल्कि एक उभरती हुई शक्ति है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर अपनी जगह फिर से हासिल कर रहा है। अपने संबोधन की शुरुआत यह कहते हुए की कि 17वीं शताब्दी तक, भारत की अर्थव्यवस्था उल्लेखनीय रूप से मजबूत थी, जो दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद का एक चौथाई से अधिक थी, लेकिन एक कमजोर सैन्य और राजनीतिक गुलामी के कारण इसने अपना

गौरव खो दिया।राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार इन दोनों मोर्चों पर यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि भारत अपने पुराने गौरवशाली दर्जे को फिर से हासिल करे। उन्होंने कहा कि मजबूत रक्षा उद्योग की पीठ पर एक मजबूत, युवा और तकनीक-प्रेमी सशस्त्र बल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है, जो स्वदेशी रूप से अत्याधुनिक हथियारों/उपकरणों का निर्माण करता है, जबकि प्राप्त करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। औपनिवेशिक मानसिकता से छुटकारा। एक मजबूत सेना न केवल सीमाओं को सुरक्षित करती है, बल्कि किसी देश की संस्कृति और अर्थव्यवस्था की भी रक्षा करती है। लक्ष्य एक मजबूत, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करना है, जो अपनी जरूरतों के साथ-साथ मित्र देशों की आवश्यकताओं को भी पूरा करे। यह पुनर्जागरण का युग है। यह भारत को वैश्विक महाशक्ति के रूप में फिर से स्थापित करने का समय है, श्री राजनाथ सिंह ने कहा।मॉर्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि 2013 में भारत को नाजुक 5 अर्थव्यवस्थाओं में नामित करने के बाद, निवेश फर्म ने हाल ही में कहा था कि देश 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। हाल के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि। उनका विचार था कि उभरती शक्ति वाक्यांश का उपयोग भारत के लिए तात्कालिक परिप्रेक्ष्य में किया जा सकता है, लेकिन दीर्घावधि के लिए, वह इसे एक पुनरुत्थान शक्ति के रूप में देखता है, जो विश्व आर्थिक मानचित्र पर अपनी जगह पुन: प्राप्त कर रहा है। राजनाथ सिंह ने देश के आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार द्वारा किए गए कई सुधारों को सूचीबद्ध किया। इनमें प्रत्यक्ष कर सुधार, जीएसटी और व्यापार करने में आसानी बढ़ाने के कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आया है और विदेशी निवेशक आज भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में देखते हैं।पिछले कुछ वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आए परिवर्तनकारी परिवर्तनों पर, रक्षा मंत्री ने कहा कि हथियारों और प्रौद्योगिकियों के निर्माण में पूर्ण 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। प्रमुख निर्णयों में सशस्त्र बलों की ओर से 411 वस्तुओं की चार सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों की अधिसूचना और डीपीएसयू के लिए 4,666 वस्तुओं की चार अन्य सूचियों के अलावा उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना शामिल है।सरकार के प्रयासों के कारण प्राप्त सकारात्मक परिणामों पर प्रकाश डालते हुए, श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन और लगभग 16,000 करोड़ रुपये का अब तक का उच्च रक्षा निर्यात बड़े पैमाने पर होने का प्रमाण है। रक्षा क्षेत्र की वृद्धि। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बनाए गए स्टार्ट-अप फ्रेंडली इकोसिस्टम ने देश में 100 से अधिक यूनिकॉर्न का निर्माण किया है, रक्षा अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्ट-अप की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।राजनाथ सिंह ने कहा कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर अपनी अंतर्दृष्टि भी साझा की, जिसे उन्होंने लाल किले की प्राचीर से अपने 2022 के स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के दौरान व्यक्त किया था। उन्होंने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, सडक़ परिवहन, रेलवे और सीमा विकास सहित सभी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।